GSEB Std 9 Hindi Textbook Solutions Chapter 4 कर्ण का जीवन-दर्शन

Std 9 GSEB Hindi Solutions कर्ण का जीवन-दर्शन Textbook Questions and Answers

स्वाध्याय

1. ऊँचे स्वर में पढ़िए और वाक्य में प्रयोग कीजिए :

प्रश्न 1.

1. **अत्यल्प** - .....
2. **चाकचिक्य** - .....
3. **कनकाभ** - .....
4. **तपःक्षीण** - .....
5. **क्लेश** - .....
6. **झंझावात** - .....
7. **फणिबंध** - .....

उत्तर :

1. **अत्यल्प** - बहुत थोड़ा वाक्य : सांसारिक भोग-बिलास अत्यल्प सुख देते हैं।
2. **चाकधिक्य** - चमक, चका-चौंध वाक्य : देहाती मित्र मुंबई की चाकचिक्य पर मुग्ध हो गया।
3. **कनकाभ** - सुनहले वाक्य : राजमहल के कनकाभ शिखर हमारा ध्यान आकृष्ट कर रहे थे।
4. **तपःक्षीण** - प्रभावहीन वाक्य : शाप के प्रभाव से मुनि तुरंत तपःक्षीण हो गए।
5. **क्लेश** - कष्ट, वेदना वाक्य : पुत्र के अनुचित व्यवहार से पिता को बड़ा क्लेश हुआ।
6. **झंझावात** - तूफान वाक्य : बर्फीले झंझावातों में भी हमारे सैनिक देश की रक्षा करने में डटे हुए हैं।
7. **फणिबंध** - नागपाश वाक्य : पता नहीं, संकट के इस फणिबंध से हमें कौन छुडाएगा?

2. संक्षेप में उत्तर दीजिए :

प्रश्न 1. विभव से क्या प्राप्त होता है?

उत्तर :

वैभव से मनुष्य को ढेर सारी चिन्ताएँ और थोड़ी-सी हंसी-खुशी प्राप्त होती है। इसके अतिरिक्त उसे चमक-दमक दिखाने का अवसर और क्षणिक भोग-विलास प्राप्त होता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 2. धन-संपत्ति किस लिए है?

उत्तर :

धन-संपत्ति परोपकार के लिए है।

प्रश्न 3. समृद्धि-सुख के अधीन मानव का क्या होता है?

उत्तर :

सुख-समृद्धि के अधीन मानव का तेज-प्रभाव दिन-प्रतिदिन क्षीण होता जाता है और उसकी दुर्दशा होती है।

प्रश्न 4. फणिबंध कौन छुड़ाते हैं?

उत्तर :

फणिबंध से गरुड़ जैसे साहसी और वीर पुरुष ही छुड़ाते हैं।

3. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए :

प्रश्न 1. वैभव-विलास की चाह नहीं, अपनी कोई परवाह नहीं,
बस यहीं चाहता हूँ केवल, दान की देव सरिता निर्मल,
करतल से झरती रहे. सदा,
निर्धन को भरती रहे. सदा।

उत्तर :

कर्ण श्रीकृष्ण से कहता है कि हे केशव! आप मुझे राज्य देने का प्रलोभन दे रहे हैं, परंतु मैं वैभव-विलास का जीवन पसंद नहीं करता। मुझे अपनी कोई चिंता नहीं है। मुझे दान देने में रुचि है। इसलिए मैं केवल यही चाहता हूँ कि मैं गरीबों को हमेशा दान देता रहूं और उनके दुःख दूर करता रहूँ।

प्रश्न 2. मैं गरुड़, कृष्ण ! मैं पक्षिराज, सिर पर न चाहिए मुझे ताज,
दुर्योधन पर है. विपद घोर, सकता न किसी विध उसे छोड,
रणखेत पाटना है. मुझको,
अहि.पाश काटना है. मुझको।

उत्तर :

कर्ण श्रीकृष्ण से कहता है कि इस समय मेरी स्थिति गरुड़ पक्षी के समान है। मुझे राजमुकुट नहीं पहनना है। इस समय दुर्योधन भारी संकट में है। युद्धरूपी नागपाश ने उसे जकड़ रखा है। मुझे दुर्योधन के इस नागपाश को काटना है-दुर्योधन को बुद्ध में विजय दिलाना है। मुझे गरुड़ की तरह अपना दायित्व निभाना है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4. टिप्पणी लिखिए :

प्रश्न 1. कर्ण की अभिलाषा

उत्तर :

कर्ण दानी पुरुष है। वह प्रतिदिन जरूरतमंद लोगों को दान देता है। उसे राज्य पाने की इच्छा नहीं है। वैभव पाकर भोग-विलास में जीना उसके स्वभाव के विरुद्ध है। वह दयालु और उदार वृत्ति का है। गरीबों के प्रति उसके मन में करुणा है। उसकी यही अभिलाषा है कि वह अपनी दानवृत्ति से निर्धनों का दुःख दूर करता रहे।

प्रश्न 2. कर्ण का मित्रधर्म

उत्तर :

कर्ण का जीवन अन्याय और अपमान से भरा हुआ था। एक दुर्योधन ने ही उसे सम्मान दिया और उसे अपना मित्र बनाया। कर्ण दुर्योधन के इस उपकार को कभी नहीं भूल पाया। महाभारत का युद्ध शुरू होने से पहले श्रीकृष्ण उसे पांडवपक्ष में लेने गए। उन्होंने उसे राज्य देने का प्रलोभन भी दिया। परंतु कर्ण ने उनका प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया। उसने दुर्योधन का साथ छोड़ने से स्पष्ट इनकार कर दिया। इस प्रकार कर्ण ने दुर्योधन के प्रति अपने मित्र-धर्म का पालन किया।

5. विरोधी शब्द लिखिए :

प्रश्न 1.

1. **निर्मल**
2. **निर्धन**
3. **प्रभूत**
4. **कोमल**
5. **अमृत**

उत्तर :

1. मलीन
2. धनवान
3. कम
4. कठोर
5. विष

6. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द कोष्ठक में से ढूँढकर उन शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए:

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 1.

1. **सुखोपभोग**
2. **हथेली**
3. **प्रचूर**
4. **दरज**
5. **आँधी**
6. **पानी**
7. **गरल**
8. **चट्टान**

प्र	भू	त	सं	त
क	द	अं	ध	ड
र	रा	वि	ला	स
त	र	नि	शै	वा
ल	वि	ष	ल	रि

उत्तर :

प्र	भू	त	सं	त
क	द	अं	ध	ड़
र	रा	वि	ला	स
त	र	नि	शै	वा
ल	वि	ष	ल	रि

1. सुखोपभोग - विलास
2. हथेली - करतल
3. प्रचुर - प्रभूत
4. दरज - दरार

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

5. आंधी - अंधड़
6. पानी - वारि
7. गरल - विष
8. चट्टान - शैल

वाक्य-प्रयोग:

1. राजा सदा विलास में डूबा रहता था।
2. बच्चे का करतल देखकर ज्योतिषी ने उसका भविष्य बता दिया।
3. वह गाँव में रहता था, पर उसके पास प्रभूत संपत्ति थी।
4. गरुड़ पहाड़ों की दरार में निवास करता है।
5. सारी रात अंधड़ ने कहर मचा दिया।
6. सदा स्वच्छ वारि पीना चाहिए।
7. देखते ही देखते साँप का विष बच्चे के शरीर में फैल गया।
8. शैल से उस पार झरना था।

7. अंदाज अपना-अपना : अपना मत स्पष्ट कीजिए :

प्रश्न 1. यदि कोई जरूरतमंद इन्सान आपसे मदद माँगे तो आप क्या करते?

उत्तर :

यदि कोई जरूरतमंद इन्सान मुझसे मदद मांगे तो पहले मैं उसकी जरूरत के बारे में पूगा। यदि मुझे उसकी जरूरत सच्ची लगी तो मैं अवश्य उसकी मदद करूंगा। मदद करने में यदि दूसरों के सहयोग की आवश्यकता हुई तो उनका सहयोग भी लेने में में संकोच नहीं करूंगा।

प्रश्न 2. आपको पता चले कि आपका दोस्त संकट में फँसा हुआ है तो आप क्या करेंगे?

उत्तर :

संकट में पड़े हुए मित्र की मदद करना मेरा कर्तव्य है। इस कर्तव्य का पालन करके ही में मित्र-धर्म को निभा सकता है, अपने आपको सच्चा दोस्त साबित कर सकता हूँ। इसलिए संकट में पड़े हुए मित्र को संकट से छुड़ाने में मैं कोई कसर न रडूंगा।

प्रश्न 3. आपके पास जरूरत से ज्यादा धन-संपत्ति है, तो क्या करोंगे?

उत्तर :

अपने पास जरूरत से ज्यादा धन-संपत्ति होने पर मैं उसका उपयोग परोपकार में करूंगा। मैं अनाथआश्रम में वहाँ के जरूरतमंदों को उनकी जरूरी चीजें खरीदकर ला दंगा। प्यासों के लिए प्याऊ बनवाऊँगा और गरीबों को अन्नदान दूंगा। इस प्रकार अपने पास जरूरत से ज्यादा धन-संपत्ति होने पर मैं उसका उपयोग दूसरों के दुःख दूर करने में करूंगा।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in